भाजपाइयों को भाया शिव का साया!

स्वराज, वेंकैया, हेमामालिनी, और स्मृति ईरानी, मप्र से चुनाव लड़ने के मूड में

भोपाल । भाजपा के नेताओं को इस बार मध्यप्रदेश सबसे ज्यादा और सुरक्षित नजर आ रहा है। तकरीबन आधा दर्जन नेता लोक सभा चुनाव में कामयाब होने के लिए मध्यप्रदेश से जोर आजमाना चाहते हैं। पार्टी की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज हों या वेंकैया नायडु या फिर हेमा मालिनी या स्मृति इरानी सभी को मध्यप्रदेश से चुनाव लड़ना ज्यादा मुफीद लग रहा है। न केवल भाजपा बल्कि अन्य राजनीतिक दलों के सेलिब्रेटी और ग्लैमरस फिल्मी सितारों की पंसद मध्यप्रदेश बनता जा रहा है। सपा सांसद जया बच्चन और फिल्म अभिनेत्री नगमा भी कांग्रेस के टिकट पर भोपाल से भाग्य आजमाना चाहती हैं।

भाजपा दिग्गजों की पहली पसंद मध्यप्रदेश बनने का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता को जाता है। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में उभरे है। चुनाव के दौरान उनकी डिमांड सबसे ज्यादा रही। उनके आभा मंडल के सामने आडवानी जैसे कद्दावर नेता भी फीके नजर आए। शिवराज की इसी चावदार छवि को भाजपा के कई दिग्गज भुनाना चाहते हैं।

राजनीति में उगते सूरज को नमस्कार करने की पंरपरा सर्वविदित है। फिलहाल समूचे प्रदेश में सिक्का चल रहा है यही वजह है कि पार्टी के दिग्गज नेता शिवराज के साए में चुनाव लड़ना चाहते है। नेताओं की जीत की गारंटी बने शिवराज से कई नेताओं ने मध्यप्रदेश से चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया है। पार्टी भी चाहती है कि इस बार मप्र से कुछ फिल्मी सितारों और चुनाव संचालन में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गजों को प्रत्याशी बनाया जाए। पार्टी की वरिष्ठ नेता और सांसद सुषमा को इसी रणनीति के तहत भोपाल से टिकट की पेशकश की गई है। गौरतलब है कि मौजूदा सांसद कैलाश जोशी भोपाल सीट छोड़ ने को तैयार नहीं है। अलबत्ता पार्टी उन्हें इस बार राज्य सभा में भेजना चाहती है। 1999 में इसी तरह की पेशकश के तहत चोट खा चुके जोशी संबंध पार्टी आध्यक्ष राजनाथ के प्रस्ताव को ठुकरा चुके है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे भोपाल के अलावा अन्य किसी सीट से नहीं लड़ेगे। इससे पार्टी असमंजस में पड़ गई है। भोपाल से सुषमा स्वराज को लड़ाया जाएगा या जोशी को ही रिपीट किया जाएगा इसका फैसला अब नागपुर में किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में बाहरी प्रत्याशियों को थोपने का जो नया दौर सुरू हुआ है उससे पार्टी में खलबली मच गई है। चर्चा यह भी है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता वेंकैया नायडु की भी नजर इंदौर पर है। इंदौर की मौजूदा सांसद सुमित्रा महाजन भी अपनी सीट छोड़ने को तैयार नहीं हैं। स्वराज और वेंकैया के अलाव हेमामालिनी और स्मृति ईरानी भी मध्यप्रदेश से चुनाव लड़ने की इच्छा रखती हैं। उनके लिए भी दो सीटों की तलाश की जा रही है। पार्टी की यह पहल मप्र के धुरंधरो को रास नहीं आ रही है। जोशी और महाजन को छोड़ कर किसी ने खुलेतौर पर इसका विरोध नहीं किया है। इसी दौरान यह भी चर्चा है कि भाजपा के प्रहलाद पटेल भी भाजपा में वापसी करने वाले है। ऐसे में पांच सिटिंग सांसदो के हित प्रभावित होंगे। प्रदेश भाजपाइयों का कहना है कि यदि आधा दर्जन सीटों पर बाहरी प्रत्याशी खड़े कर दिए जाएंगे तो वर्षो से प्रदेश में राजनीति कर रहे नेता कहां जाएंगे

स्वराज को लेकर सस्पेंस

सुषमा स्वराज द्वारा चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद मध्यप्रदेश से उनके चुनाव लड़ने की संभावनाएं बढ़ गई है. लालकृष्ण आडवाणी के निर्देश का हवाला देकर सुषमा स्वराज ने जिस तरह अपने इरादे जाहिर किये उसके बाद भोपाल जिले की राजनीति में भी उथल-पुथल शुरू हो गई है तो कार्यकर्ताओं के बीच स्थानीय और बाहरी प्रत्याशी का मुद्दा भी जोर पकड़ने लगा है. जिला भाजपा की बैठक में पदाधिकारियों ने जानना चाहा कि क्या सुषमा स्वराज भोपाल से चुनाव लड़ेंगी?

जिला भाजपा की बैठक में एक उपाध्याय ने यह मामला जब उठाया तो बैठक में मौजूद 17 पदाधिकारी दायें-बायें देखने को मजबूर हो गये. कोई यह नहीं बता पाया कि कैलाश जोशी का टिकट कटकर सुषमा स्वराज चुनाव लड़ेंगी या फिर जोशी ही कंटीन्यू रहेंगे. दरअसल जोशी द्वारा तमाम अटकलों पर विराम लगाए जाने के बाद भोपाल से ही चुनाव लड़ने की घोषणा करने के बाद जिले के पदाधिकारी और विधायकों की भूमिका भी अहम हो गर्स है. सूत्र बताते है कि जोशी अपना स्टैंड क्लीयर करने के बाद एक बार फिर दिल्ली हो आए हैं और उनकी मुलाकात शाहनवाज हुसैन के भाई के विवाह कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह से भी हो चुकी है. जोशी राजनाथ के सामने पहले भी अपना पक्ष रख चुके हैं. इधर भोपाल से प्रत्याशी की दावेदारी की चर्चा अब बूथ स्तर पर भी वो कार्यकर्ता करने लगे हैं, जिन्हें बूथ मैनेजमेंट का काम सौंपा गया है. इसी के साथ लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा की नगर केंद्र पर बैठकों का दौर प्रदेश के अन्य जिलों के साथ-साथ राजधानी में भी शुरू हो चुका है. 10 फरवरी तक चलने वाली इन बैठकों के लिये भोपाल मध्य की जिम्मेदारी पूर्व सांसद कैलाश सारंग और भोपाल उत्तर का दायित्व पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा को सौपा गया है, जिन्होंने समीक्षा का दौर शुरू कर दिया है. इन बैठकों में बूथ स्थर पर भाजपा को विधानसभा चुनाव में मिले मतों का आकलन भी किया जा रहा है. इन बैठकों में स्थानीय और बाहरी उम्मीदवार का मुद्दा भी उठने लगा है. लेकिन आम कार्यकर्ता बड़े नेताओं से अपनी बात कहने को लेकर संकोच कर रहा है. गौरतलब है कि भाजपा हाईकमान पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि मध्यप्रदेश से पार्टी उम्मीदवारों का ऐलान नागपुर में प्रस्तावित भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की बैठक के बाद 10 फरवरी तक होने की संभावना है.

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक उत्तम झंवर द्वारा मे. मोर्या आर्ट प्रा.लि. के लिये अपनी दुनिया प्रिन्टर्स १३, प्रेस काम्पलेक्स एबी रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ३०५ मोर्या आर्केड १/२ ओल्ड पलासिया, इंदौर में प्रकाशित फोन : ४०४१२६८